"तेरे मेरे सपने" – विवाह पूर्व संवाद केंद्र (PMCCs)

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की एक पहल

"मजबूत समाज की नींव मजबूत परिवार होते हैं — और मजबूत परिवार, सोच-समझकर बनाए गए रिश्तों से शुरू होते हैं। 'तेरे मेरे सपने' एक उज्जवल भविष्य की ओर पहला कदम है।"

परिचय

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 **मार्च** 2025) के अवसर पर, राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के मार्गदर्शन मे "तेरे मेरे सपने" नामक **विवाह पूर्व संवाद केंद्रों (PMCCs)** की शुरुआत नौ राज्यों में की गयी है। इस पहल का उद्देश्य है – **मजबूत रिश्तों को बढ़ावा देना, लोगों को सशक्त बनाना और परिवारों को मजबूत बनाना। समाज में तेजी से बदलती पारिवारिक व्यवस्थाओं और विवाह की अपेक्षाओं के बीच यह ज़रूरी हो गया है** कि युवा विवाह से पहले संवाद और समझदारी के ज़रूरी कौशल सीखें, ताकि वे सम्मानपूर्ण और स्थायी रिश्ते बना सकें।

पृष्ठभूमि और आवश्यकता

NCW **को प्राप्त शिकायतों के विश्लेषण से पता चलता है कि घरेलू विवादों से जुड़ी शिकायतें सबसे ज़्यादा होती हैं। इनका मुख्य कारण होता है** – अवास्तविक अपेक्षाएँ, **संवाद की कमी और विवाह पूर्व** तैयारी की कमी। संयुक्त परिवारों में गिरावट, **सोशल मीडिया का प्रभाव और बदलते सामाजिक मानदंडों के कारण आज के युवा दंपतियों को अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।**

NCW **का मानना है कि अगर विवाह से पहले ही लोगों को संवाद, मानसिक स्वास्थ्य और जिम्मेदारियों को लेकर मार्गदर्शन मिल जाए तो विवाह के बाद की समस्याओं, घरेलू हिंसा और तलाक जैसी स्थितियों** को कम किया जा सकता है।

इन्हीं विषयों पर विचार करते हुए, 4 फरवरी 2025 **को पुणे में एक राष्ट्रीय परामर्श बैठक आयोजित की** गई, जिसके आधार पर 13 फरवरी 2025 को एक टास्क फोर्स **गठित की गई। इस टास्क फोर्स ने प्रशिक्षकों** के लिए एक **संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल** तैयार किया, जो "तेरे मेरे सपने" **पहल की नींव है।**

विवाह पूर्व संवाद क्यों ज़रूरी है

- **समस्याओं को पहले ही पहचानना:** विवाह पूर्व तैयारी से व्यक्ति संभावित समस्याओं को पहले समझ पाते हैं और उनसे निपटने के तरीके सीखते हैं।
- **भावनात्मक मजबूती:** खुला संवाद मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और आपसी समझ को बढ़ाता है।
- **घरेलू हिंसा और तलाक में कमी:** संवाद, सहमति और सम्मान के साथ संबंधों को समझने से विवादों में कमी आती है।
- **लैंगिक समानता को बढ़ावा:** साझा जिम्मेदारियों और भूमिकाओं पर बातचीत से विवाह में समानता को बढ़ावा मिलता है।
- **मजबूत परिवार और समाज:** खुशहाल विवाह से बेहतर पारिवारिक और सामाजिक वातावरण बनता है।

"तेरे मेरे सपने" – PMCCs क्या हैं

यह भारत की पहली संरचित पहल है जो युवाओं को विवाह पूर्व संवाद, समझ और भावनात्मक शिक्षा प्रदान करती है। इन केंद्रों की मुख्य विशेषताएँ हैं:

- **विवाह पूर्व परामर्श सत्र:** अपेक्षाएँ, मतभेद प्रबंधन, वित्तीय योजना, मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक भूमिकाएँ जैसे विषयों पर संवाद।
- **इंटरैक्टिव गतिविधियाँ: आपसी समझ और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने के लिए मनोवैज्ञानिक टूल्स** और एक्सरसाइज़।
- **जागरूकता कार्यक्रम:** कॉलेजों, विवाह पंजीकरण कार्यालयों और समुदायों के माध्यम से संवाद कौशल को बढ़ावा देना।
- **सोशल मीडिया और प्रिंट प्रचार:** सहानुभूति, सम्मान और सहयोग जैसे मूल्यों को बढ़ावा देना।

क्रियान्वयन और संचालन रणनीति

NCW की भूमिका:

- विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना और उपलब्ध कराना।
- परामर्शदाताओं के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रम (ToT) आयोजित करना।
- प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र देना।
- केंद्रों की कार्यप्रणाली की निगरानी और मूल्यांकन करना।

डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट/ कलेक्टर की भूमिका:

- **केंद्र के लिए स्थान उपलब्ध कराना** (विवाह पंजीकरण कार्यालयों के पास)।
- **उपयुक्त परामर्शदाताओं की पहचान कराना**, जिन्हें NCW प्रशिक्षण देगा।
- जनता को PMCC **सेवाओं के लिए जागरूक करना।**

अन्य भागीदार:

जिलाधिकारी, प्रमुख NGO, **महिला एवं बाल विकास विभाग और शैक्षिक संस्थान।**

उम्मीदित प्रभाव

- **मजबूत विवाह: वास्तविक अपेक्षाओं और संवाद कौशल से शुरुआती विवाद और अलगाव में कमी।**
- **घरेलू हिंसा में कमी: संवाद और सम्मान से भरे संबंधों से सुरक्षित और खुशहाल घर।**
- **सशक्त व्यक्ति: रिश्तों में सोच-समझ** और भावनात्मक संतुलन लाने में मदद।
- **मजबूत परिवार और समाज: स्थिर** और खुशहाल परिवार बच्चों और समाज के लिए बेहतर माहौल बनाते हैं।

आगे की राह

अब तक 9 राज्यों में 23 **केंद्र शुरू हो चुके हैं।** NCW **अब देश के हर ज़िले में ऐसे केंद्र स्थापित** करना चाहता है।

रणनीति:

- **हर ज़िले में विस्तार: उन ज़िलों को प्राथमिकता देना जहाँ घरेलू हिंसा और वैवाहिक विवाद अधिक** हैं।
- **विवाह पंजीकरण व्यवस्था से जोड़ना:** विवाह पंजीकरण कार्यालयों के पास केंद्र स्थापित करना।
- **नीतिगत सहयोग:** महिला व बाल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालयों के साथ मिलकर इस पहल को राष्ट्रीय योजनाओं से जोड़ना।
- **बजट सहयोग:** CSR **और सरकारी योजनाओं से वित्तीय सहायता प्राप्त करना।**

सामुदायिक जुड़ाव और प्रचार

- **स्थानीय सत्र:** युवाओं और शादी के इच्छुक जोड़ों के लिए छोटे सत्र – विवाह कार्यालय, कॉलेज, आंगनवाड़ी आदि में।
- **सोशल मीडिया:** वीडियो, पोस्टर और पॉडकास्ट को साझा करें।
- **संस्थाओं से साझेदारी:** स्कूल, कॉलेज, धार्मिक समूहों से जुड़ाव।
- **दृश्य प्रचार:** बैनर, होर्डिंग्स लगाना – विवाह कार्यालय, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर।
- **सामग्री वितरण:** पोस्टर, ब्रोशर स्थानीय भाषा में वितरित करना।

निगरानी और मूल्यांकन

NCW ने एक *रीयल-टाइम मॉनिटरिंग डैशबोर्ड* तैयार किया है और थर्ड पार्टी मूल्यांकन भी करवाए जा रहे हैं, ताकि सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभाव को लगातार बेहतर किया जा सके।

****